ὀνόματος τεθεῖσαι· καὶ ταύταις ὡς καὶ ταῖς λοιπαῖς κληρικοὺς καὶ παροίκους δωρούμεθα·

Ἤγουν κελεύομεν ἔχειν τὸν Δρίστρας ἐπίσκοπον εἰς τὰ κάστρα τῆς ἐνορίας αὐτοῦ καὶ τὰ λοιπὰ κάστρα τὰ περὶ αὐτὴν κληρικοὺς μ̄ καὶ παροίκους μ̄· Ἐπὶ Πέτρου γὰρ βασιλεύσαντος ἐν Βουλγαρίᾳ αὕτη μὲν τῷ τῆς ἀρχιεπισκοπῆς ἀξιώματι ἐλαμπρύνετο, μετὰ δὲ τοῦτο ἀπὸ τόπου εἰς τόπον μεταβαινόντων τῶν ἀρχιεπισκόπων τοῦ μὲν εἰς Τριάδιτζαν τοῦ δὲ ἐν τοῖς Βοδηνοῖς καὶ ἐν τοῖς Μογλαίνοις, εἶθ' οὕτως ἐν τῇ Ἀρχίδᾳ τὸν νῦν εὕρομεν ἀρχιεπίσκοπον, καὶ αὐτὴν μὲν τὴν Ἀρχίδα[1]) ἀρχιεπίσκοπον ἔχειν, ἐπίσκοπον δὲ εἰς τὴν Δρίστραν χειροτονῆσαι.

Т. е. заповѣдваме, щото епископътъ на Дръстъръ (Силистра) да има въ градоветѣ на своята епархия и въ другитѣ нейни околни градове 40 клирици и 40 парици. Защото при царуването на Петра въ България тая епархия е блѣщѣла съ архиепископско достоинство, а следъ това архиепископитѣ преминаваха отъ едно мѣсто на друго, единъ въ Триядица (София), другъ въ Воденъ и въ Мъгленъ, и сетне ние намѣрихме сегашния архиепископъ въ Охридъ, затова (заповѣдваме) самиятъ Охридъ да има архиепископъ, а за Дръстъръ да се ржкополага епископъ.

Τὸν δ' ἐπίσκοπον Βοδίνης κελεύομεν ἔχειν εἰς τὰ κάστρα τῆς ἐνορίας αὐτοῦ κληρικοὺς μ̄ καὶ παροίκους μ̄· ὅτι γὰρ καὶ προσφορωτάτη αὕτη μοι γέγονε καὶ προοδευτικωτάτη καὶ πρὸς τὴν τῆς χώρας εὐθεῖαν ὁδὸν τὰς εἰσόδους ἀνέῳξεν, ἔδει πάντως αὐτὴν καὶ μεγίστων ἐπιτεύξασθαι ἀμοιβῶν καὶ τῶν κρειττόνων πάντως ὑπεραρθῆναι. ἀλλὰ διὰ τὸ μὴ ὑπεραίρειν καὶ ὑπερκεῖσθαι τοῦ ἀρχιεπισκόπου, κληρικῶν καὶ παροίκων τὴν ἰσομοιρίαν τοῦ

Заповѣдваме епископътъ на Видинъ (**Бъдынъ**) да има въ градоветѣ на епархията си 40 клирици и 40 парици, защото тая епархия ми стана най-полезна и преданна, като ми отвори пжтищата си за страната, та и трѣбваше тя въ всѣки случай да получи по-голѣма награда и да бжде възвисена надъ най-добритѣ. Но за да не надмине и да не се постави надъ епархията на архиепископа, дадохме ѝ равно число клирици и парици съ тия на

[1]) *У Г.* прибавено τὸν.